इस्लाम एक विश्वव्यापी धर्म है इसलिए इस्लाम में सभी मानव प्राणी समान हैं

हर हिन्दू जो अपने मज़हबी किताब की पूरे यक़ीन के साथ पैरवी करता है उसे इस्लाम को अपना लेना चाहिये, क्योंकि वेद अल्लाह के एक होने के बारे में और मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के अन्तिम सन्देष्टा होने के बारे में और मरने के बाद दोबारा जीवित किये जाने के बारे में बात करते हैं।

हे मनुष्यो![1] हमने तुम्हें पैदा किया एक नर तथा नारी से और बना दी हैं तुम्हारी जातियाँ और प्रजातियाँ, ताकि एक-दूसरे को पहचानो। वास्तव में, तुम में अल्लाह के नज़दीक सबसे अधिक आदरणीय वही है, जो तुममें अल्लाह से सबसे अधिक डरता हो। वास्तव में अल्लाह सब जानने वाला है, सबसे सूचित है।

مركز أصول العالمي
OsoulGlobalCenter
www.osoulcenter.com
GUIDE TO ISLAM
#Hindi #Hindus
guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com
contact us:
@Guidetoislam.com

कुंडली लोगों के जीवन को भ्रष्ट कर रही है यही कारण है कि यह इस्लाम में पूरी तरह से प्रतिबंधित है।

जो हिन्दू अपनी मज़हबी किताबों का अध्यन औऱ उसकी पैरवी सिर्फ इस्लाम को झुठलाने के लिये करते हैं उनके लिये यह नामुम्किन है क्यों कि उन किताबों में बहुत भिन्नतायें हैं।

आप कह दें कि नहीं जानता है, जो आकाशों तथा धरती में है, ग़ैब को अल्लाह के सिवा और वे नहीं जानते कि दोबारा कब जीवित किये जायेंगे।

OsoulGlobalCenter
www.osoulcenter.com
GUIDE TO ISLAM

#Hindi #Hindus

guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com

contact us:
@Guidetoislam.com

हिंदू

अपने साथी को चुनने के लिए कुंडली पर निर्भर करते हैं, जो पूरी तरह से गलत है।

श्रगवेद और मनुस्मृति इन दोनों के बीच भिन्नताएं है, मिसाल के तौर पर, एक का कहना है कि आप को दूसरों के टोह में नहीं लगना चाहिये, दूसरे का कहना है कि आपको टोह में लगना चाहिये।

यदि अललाह तुम्हें कोई हानि पहुँचाये, तो उसके सिवा कोई नहीं, जो उसे दूर कर दे और यदि तुम्हें कोई लाभ पहुँचाये, तो वही जो चाहे, कर सकता है।

مركز أصول العالمي
OsoulGlobalCenter
www.osoulcenter.com
GUIDE TO ISLAM
#Hindi #Hindus
guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com
contact us:
@Guidetoislam.com

हिंदू शास्त्रों में महान भविष्यवाणी है पैगंबर मुहम्मद और ऊनके साथीयों के बारे में।

मज़हब ए इस्लाम
पर बहुत से आलोचना करने वालों ने नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की रिवायत नक़ल की है कि बुखारी शरीफ 4: जिहाद के बाब में, हदीस 64 में है अगर लडाई के मैदान में मुजाहिद का क़त्ल हो जाये तो वह जन्नत में जाता है, वरना अल्लाह उसे हफिाज़त से इन्आम के साथ घर ले आता है। फिर भी यह आलोचना करने वाले भगवद गीती अध्याय 2 खण्ड 37 में जो लिखा है उसे नज़र अन्दाज़ कर देते हैं। ऐ अर्जुन भाग्यशाली हैं वह लोग जिन्हें लडने के लिये मौक़ा और सलाहियत है अगर तुम लडाई के मैदान में मारे गये तो स्वर्ग में जाओगे और अगर सुरक्षित वापस आये तो अल्लाह आपको जंग का फज़ल देगा।

हे नबी! हमने भेजा है आपको साक्षी, शुभसूचक और सचेतकर्ता बनाकर। और अल्लाह के हुक्म से उसकी तरफ बुलाने वाला और रौशन चिराग । जो लोग ऐसे अनपढ़ रसूल (दुनियावी आलिमों दारा शिक्षा ल प्राप्त की हो) नबी की इत्तेबा करते हैं, जिन (के आगमन) का उल्लेख वे अपने पास तौरात तथा इंजील में पाते हैं; जो सदाचार का आदेश देंगे और दुराचार से रोकेंगे, उनके लिए स्वच्छ चीज़ों को ह़लाल (वैध) तथा मलिन चीज़ों को ह़राम (अवैध) करेंगे, उनसे उनके बोझ उतार देंगे तथा उन बंधनों को खोल देंगे, जिनमें वे जकड़े हुए होंगे। अतः जो लोग आप पर ईमान लाये, आपका समर्थन किया, आपकी सहायता की तथा उस प्रकाश (क़ुर्आन) का अनुसरण किया, जो आपके साथ उतारा गया, तो वही सफल होंगे।

OsoulGlobalCenter
www.osoulcenter.com
GUIDE TO ISLAM
#Hindi #Hindus
guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com
contact us:
@Guidetoislam.com

वेद हर हिंदू से कहता है : इस्लाम को अपनाओ

हिन्दू जो अपनी धार्मिक किताबों को नहीं पढ़ते 33 करोड़ देवताओं के वजूद पर यक़ीन रखते हैं।

निःसंदेह अल्लाह के पास धर्म इस्लाम ही है,और जो किताब दिये गये उन्होंने इल्म आने के बाद आपस में हसद की वजह से इख्तिलाफ किया, और जो अल्लाह की आयतों (पाक क़ुर्आन) को न माने तो अल्लाह जल्द ही हिसाब लेगा।

مركز أصول العالمي
OsoulGlobalCenter
www.osoulcenter.com
GUIDE TO ISLAM
#Hindi #Hindus
guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com
contact us:
@Guidetoislam.com

इस्लाम ही एकमात्र धारणा है जो अपने मानने वालों को विधाता के साथ आजीवन संबंध स्थापित करने के योग्य बनाता है

हिन्दू जो अपनी धार्मिक किताबों को नहीं पढ़ते 33 करोड़ देवताओं के वजूद पर यक़ीन रखते हैं।

और अगर यह वही करें जिसकी उन्हें तालीम दी जाती है, तो ज़रूर ही उनके लिये बहुत अच्छा होता और बहुत ज़्यादा मज़बूत होता। और तब तो हम उन्हें अपने पास से बहुत सवाब अता करते । और बेशक उन्हें सत्य सीधा रास्ता अता कर देते।

مركز أصول العالمي
Osoul Global Center
www.osoulcenter.com

GUIDE TO ISLAM

#Hindi #Hindus

guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com

contact us:
@Guidetoislam.com

ईशवर के वचन में विरोधाभास को उचित ठहराने का कोई तरीका नहीं है

बहुत से हिन्दू वहदतुल वजूद पर यक़ीन रखते हैं जिसका अर्थ है कि हर मख़लूक़ अल्लाह हैं।

{क्या यह लोग क़ुर्आन पर सोच-विचार नहीं करते? यदि ये अल्लाह के सिवा किसी दूसरे की ओर से होता, तो बेशक इसमें बहुत कुछ इख्तिलाफ पाते[1]।}

OsoulGlobalCenter www.osoulcenter.com

GUIDE TO ISLAM

#Hindi #Hindus

guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com

contact us: @Guidetoislam.com

ब्रह्मा / कृष्ण / राम को हिंदू शास्त्रों के हिसाब से खंडन किया जाना चाहिए

बहुत सारे हिन्दुओं के अनुसार सांप अल्लाह है, बन्दर अल्लाह है, इन्सान अल्लाह है।

यह तो अल्लाह को छोडकर केवल देवियों को पुकारते हैं और धिक्कारे हुए शैतान को पुकारते हैं।

Osoul Global Center
www.osoulcenter.com
GUIDE TO ISLAM
#Hindi #Hindus
guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com
contact us:
@Guidetoislam.com

सर्वशक्तिमान अल्लाह के सिवा कोई भी प्रार्थनाओं का उत्तर नहीं देता है

जो हिन्दू अपनी धार्मिक किताब को पढ़ेगा, वह यह पाएगा कि उसे एक अल्लाह पर यक़ीन रखना चाहिये औऱ उसी की पूजा व इबादत करनी चाहिये।

वास्तव में, अल्लाह के सिवा जिनको तुम पुकारते हो, वे तुम्हारे जैसे ही (अल्लाह के) दास हैं। अतः तुम उनसे प्रार्थना करो, फिर वे तुम्हारी प्रार्थना का उत्तर दें, यदि उनके बारे में तुम्हारे विचार सत्य हैं?

OsoulGlobalCenter
www.osoulcenter.com
GUIDE TO ISLAM
#Hindi #Hindus
guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com
contact us:
@Guidetoislam.com

पूजा व प्रार्थना का उत्तर उनके दवारा देना जो अल्लाह में विश्वास नहीं करते उनके आस्था की प्रामाणिकता साबित नहीं करता है।

जो हिन्दू अपनी धार्मिक किताब को पढ़ेगा, वह यह पाऐगा कि उसे एक अल्लाह पर यक़ीन रखना चाहिये औऱ उसी की पूजा व इबादत करनी चाहिये।

वास्तव में, अल्लाह के सिवा जिनको तुम पुकारते हो, वे तुम्हारे जैसे ही (अल्लाह के) दास हैं। अतः तुम उनसे प्रार्थना करो, फिर वे तुम्हारी प्रार्थना का उत्तर दें, यदि उनके बारे में तुम्हारे विचार सत्य हैं ? क्या उन के पैर हैं जिनसे वे चलते हों,या उनके हाथ हैं जिस से किसी चीज़ को थाम सकें, या उनकी आंखें हैं जिन से देखते हों, या उन के कान हैं जिन से वे सुनते हैं, आप कह दीजिये कि तुम अपने सभी साझीदारों को बुला लो, फिर मुझे (नुख़सान पहुँचाने की) उपाय करो फिर मुझे तनिक मौक़ा न दो ।

مركز أصول العالمي
OsoulGlobalCenter
www.osoulcenter.com

GUIDE TO ISLAM

#Hindi #Hindus

guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com

contact us:
@Guidetoislam.com

केवल वित्तीय स्थिति ही स्वर्ग का द्वार नहीं है

हिन्दू धर्म और इस्लाम के बीच अन्तर यह कि इस्लाम तालीम देता है कि हर चीज़ अल्लाह को जानने का ज़रिया है जबकि हिन्दू धर्म के मानने वालों का विचार यह है कि हर चीज़ अल्लाह है।

और उनके घरों के द्वार और तख़्त जिनपर वे तकिये लगाये[1] रहते हैं। और सोने के भी, और यह सब कुछ यूँ ही सा दुनियावी फायदा है और आखिरत तो आप के रब के पास केवल परहेज़गारों के लिये (ही) है।

OsoulGlobalCenter www.osoulcenter.com

GUIDE TO ISLAM

#Hindi #Hindus

guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com

contact us: @Guidetoislam.com

धन
“स्वर्ग में जाने का मापदंड नहीं है”

हिन्दू धर्म और इस्लाम के बीच अन्तर यह कि इस्लाम तालीम देता है कि हर चीज़ अल्लाह को जानने का ज़रिया है जबकि हिन्दू धर्म के मानने वालों का विचार यह है कि हर चीज़ अल्लाह है।

और उनके घरों के द्‍वार और तख़्त जिनपर वे तकिये लगाये[1] रहते हैं। और सोने के भी, और यह सब कुछ यूँ ही सा दुनियावी फायदा है और आखिरत तो आप के रब के पास केवल परहेज़गारों के लिये (ही) है ।

अल्लाह की तरह कुछ भी नहीं है: वह एक सच्चा ईश्वर है

हिन्दू धर्म की मज़हबी किताबों की बहुत सी अश्लोक (आयात) अल्लाह के एक होने के बारे में बात करती हैं।

वह आकाश तथा धरती का रचयिता है। उसने बनाये हैं तुम्हारी जाति में से तुम्हारे जोड़े तथा पशुओं के जोड़े। वह फैला रहा है तुम्हें इस प्रकार। उसकी कोई प्रतिमा[1] नहीं और वह सब कुछ सुनने-जानने वाला है।

مركز أصول العالمي
OsoulGlobalCenter
www.osoulcenter.com
GUIDE TO ISLAM
#Hindi #Hindus
guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com
contact us:
@Guidetoislam.com

मुहम्मद वैश्विक

हम उपनिषद अध्याय 6 खण्ड 2 में पढ़ते हैं कि अल्लाह सिर्फ एक है दो नहीं।

जिन्हें हमने पुस्तक दी है, वे आपको ऐसे ही[1] पहचानते हैं, जैसे अपने पुत्रों को पहचानते हैं और उनका एक समुदाय जानते हुए भी सत्य को छुपा रहा है।

مركز أصول العالمي
Osoul Global Center
www.osoulcenter.com
GUIDE TO ISLAM
#Hindi #Hindus
guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com
contact us:
@Guidetoislam.com

वैश्विक दूत का सुसमाचार (इनजील) में उल्लेख किया गया है

हम श्वेताश्वता उपनिषद अध्याय 6 खण्ड 9 में पढ़ते हैं कि अल्लाह का कोई माँ, बाप या रब नहीं है।

तथा याद करो जब कहा मर्यम के पुत्र ईसा नेः हे इस्राईल की संतान! मैं तुम सब की ओर अल्लाह का रसूल हूँ और पुष्टि करने वाला हूँ उस तौरात की जो मुझसे पूर्व आयी है तथा शुभ सूचना देने वाला हूँ एक रसूल की, जो आये गा मेरे पश्चात्, जिसका नाम अह्मद है। फिर जब वह उनके सामने खुले प्रमाणों को लेकर आया, तो उन्हों ने कह दिया कि ये तो खुला जादू है।

مركز أصول العالمي
Osoul Global Center
www.osoulcenter.com
GUIDE TO ISLAM
#Hindi #Hindus
guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com
contact us:
@Guidetoislam.com

खुद से पूछो " कुंती सुकास" कौंन है

हम श्वेता
श्वता उपनिषद अध्याय 4
खण्ड 19 में पढ़ते हैं कि अल्लाह
का कोई प्रतिमा नहीं है प्रतिमा
का संस्कृत में अर्थ है मिसाल।

और हमने आपको सभी लोगों के लिये
खुशखबरी सुनाने वाला और होशियार
करने वाला बनाकर भेजा है, लेकिन
(यह सच है कि)लोगों में ज़्यादातर
नावाक़िफ हैं ।

Osoul Global Center
www.osoulcenter.com
GUIDE TO ISLAM

#Hindi #Hindus

guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com

contact us:
@Guidetoislam.com

पैगंबर मुहम्मद का हिंदू शास्त्रों में अंतिम पैगंबर के रूप में उल्लेख किया गया है

"हम श्वेता श्वता उपनिषद अध्याय 4 खण्ड 19 में पढ़ते हैं कि अल्लाह का कोई प्रतिमा नहीं है प्रतिमा का संस्कृत में अर्थ है मिसाल।"

और हमने आपको सभी लोगों के लिये खुशखबरी सुनाने वाला और होशियार करने वाला बनाकर भेजा है, लेकिन (यह सच है कि)लोगों में ज़्यादातर नावाक़िफ हैं ।

مركز أصول العالمي
Osoul Global Center
www.osoulcenter.com

GUIDE TO ISLAM

#Hindi #Hindus

guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com

contact us:
@Guidetoislam.com

हर हिंदू को "कुंती सुकास"

के साथ प्रसन्न होना चाहिए

श्वेताश्वता उपनिषद अध्याय 4, खण्ड 19, बिल्कुल खुले तौर पर यह कहता है कि अल्लाह का कोई प्रतिमा नहीं है, अर्थ यह है कि कोई मिसाल, कोई मुजस्मा नहीं जिसकी इबादत की जाए।

निःसंदेह अल्लाह के पास धर्म इस्लाम ही है,और जो किताब दिये गये उन्होंने इल्म आने के बाद आपस में हसद की वजह से इख्तिलाफ किया, और जो अल्लाह की आयतों (पाक क़ुर्आन) को न माने तो अल्लाह जल्द ही हिसाब लेगा।

OsoulGlobalCenter
www.osoulcenter.com
GUIDE TO ISLAM
#Hindi #Hindus
guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com
contact us:
@Guidetoislam.com

जो मूर्तियों की पूजा करते हैं वे सर्वशक्तिमान ईश्वर से बहुत दूर हैं।

यजुर्वेद अध्याय 40 खण्ड 8 : में बहुत खुले तौर पर लिखा है कि अल्लाह की कोई मिसाल नहीं वह अकेला है उसका कोई साझी नहीं।

तो यह है अल्लाह जो तुम्हारा सत्य पालनहार है, फिर सत्य के बाद दूसरा क्या रह गया सिवाय भटकावे के, फिर तुम किधर फिराये जा रहे हो ?

OsoulGlobalCenter www.osoulcenter.com

GUIDE TO ISLAM

#Hindi #Hindus

guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com

contact us: @Guidetoislam.com

मूर्ति पूजा हिंदू शास्त्रों में रोका गया है।

वह अन्धकार में हैं जो कुदरती चीज़ों (हवा, पानी, आग आदि) की ईबादत करते हैं वह घटा तोप तारीकी के गहरे गढ़े में गिरते जारहे हैं जो सम्भुति की ईबादत करते हैं।(यजुर्वेद अध्याय 40 खण्ड 8)

तो यह है अल्लाह जो तुम्हारा सत्य पालनहार है, फिर सत्य के बाद दूसरा क्या रह गया सिवाय भटकावे के, फिर तुम किधर फिराये जा रहे हो ؟

مركز أصول العالمي
OsoulGlobalCenter
www.osoulcenter.com

GUIDE TO ISLAM

#Hindi #Hindus

guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com

contact us:
@Guidetoislam.com

हिंदू

अपने विद्वानों के धोखे का शिकार हैं।

वह लोग जिनकी समझ बूझ भौतिक इच्छाओं नें चुरा ली है वह अर्ध देवताओं की पूजा करते हैं। (भागवद गीता अध्याय 7 खण्ड 20)

(हे नबी!) कह दीजिये कि हे अह्ले किताब! अपने धर्म में गुलू न करो[1] तथा उन लोगों की इच्छाओं की पैरवी नकरो , जो पहले से भटक चुके हैं और बहुतों को भटका चुके हैं और सीधे रास्ते से हच गये हैं।

हालांकि यह उनके ग्रंथों में बताया गया है

"भगवान कोई चित्र नहीं है।"

हिंदू विद्वान इसे अनदेखा करते हैं।

> अल्लाह सिर्फ एक है सिर्फ उसी की ईबादत करो ।(श्रग्वेद किताब – 1 अध्याय -1)

हे अह्ले किताब! क्यों सत्य को असत्य के साथ मिलाकर संदिग्ध कर देते हो और सत्य को छुपाते हो, जबकि तुम जानते हो?

مركز أصول العالمي
Osoul Global Center
www.osoulcenter.com
GUIDE TO ISLAM
#Hindi #Hindus
guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com
contact us:
@Guidetoislam.com

मूर्ति पूजा लोगों को सर्वशक्तिमान ईश्वर की पूजा करने से भटकाती है।

ब्रह्मस्त्र 1 (संस्कृत मतन) में हमें अल्लाह के एक होने का पक्का विश्वास मिलता है। सिर्फ एक ही अल्लाह है दूसरा नहीं है, नहीं है ज़रा सा भी नहां हैं।
अल्लाह के नाम से शुरूअ करता हूं,
शान्ति और कृपा हो मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम पर ।
हिन्दू मत का दूसरा भाग : टुवीटस

सुनो! अल्लाह ही के लिये खालिस इबादत करना है तथा जिन्होंने बना रखा है अल्लाह के सिवा संरक्षक, वे कहते हैं कि हम तो उनकी वंदना इसलिए करते हैं कि वह हमें अल्लाहके क़रीब पहुंचा दें यह लोग जिस बारें में इख्तिलाफ कर रहे हैं उसका फैसला अल्लाह खुद कर देगा झूटे ऐर नाशुक्रे लोगों को अल्लाह रास्ता नहीं दिखाता।

OsoulGlobalCenter
www.osoulcenter.com
GUIDE TO ISLAM
#Hindi #Hindus
guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com
contact us:
@Guidetoislam.com

हिंदू ग्रंथों में स्थिरता की कमी है, इसलिए, वे प्रामाणिक नहीं हैं।

अल्लाह की तालीमात से विमुख होकर अल्लाह की ज़ात पर यक़ीन को पुख्ता करने का कोई तरीक़ा नहीं हैं इस लिये हिन्दुओं को मूर्तियों की पूजा से रुकना चाहिये क्योंकि उनकी पूजा उन्हीं की किताब के अनुसार अल्लाह के क़रीब नहीं लाएगी।

क्या यह लोग क़ुर्आन पर सोच-विचार नहीं करते? यदि ये अल्लाह के सिवा किसी दूसरे की ओर से होता, तो बेशक इसमें बहुत कुछ इख्तिलाफ पाते[1]।

OsoulGlobalCenter www.osoulcenter.com

GUIDE TO ISLAM

#Hindi #Hindus

guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com

contact us: @Guidetoislam.com

इस्लाम और हिंदू धर्म में किसी भी मुजाहिद का पुरस्कार समान है।

हिन्दु धर्म की किताबों में मूर्ति पूजा से रोका गया है, हिन्दुओं पर यह हक़ीक़त कब ज़ाहिर होगी।

अबू हुरैरह कहते हैं कि मैं ने नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को फरमाते हुये सुना कि जो व्यक्ति अल्लाह के रासते में जिहाद करता हो अल्लाह उसको खूब पहचानता है जो उसके रासते में जिहाद करता है उसकी मिसाल उस व्यक्ति की तरह है जो रोज़ाना रोज़ा रखता हो और पूरी रात नमाज़ पढ़ता हो, अल्लाह ने अपने रासते में जिहाद करने वाले के लिये इस बात की ज़िम्मेदारी ली है कि अगर उसको मौत देगा तो जन्नत में दाखिल करेगा या ग़ाज़ी बनाकर उसे सवाब और माल के साथ जिन्दा लौटायेगा।

OsoulGlobalCenter
www.osoulcenter.com
GUIDE TO ISLAM
#Hindi #Hindus
guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com
contact us:
@Guidetoislam.com

भौतिकवाद लोगों को सही रास्ते से भटकाते हैं और देवताओं का पालन करने के लिए ऊनहे आकर्षित करते है

हिन्दु विद्वान अपने मानने वालों को यह कह कर क्यों धोखा देते हैं कि उन्हे कम समझ बूझ मिली है इसी लिये उन्हें मूर्ति पूजा करनी है ताकि वह अल्लाह की तरफ आकर्षित हो सकें।

यह तो अल्लाह को छोडकर केवल देवियों को पुकारते हैं और धिक्कारे हुए शैतान को पुकारते हैं।

OsoulGlobalCenter www.osoulcenter.com

GUIDE TO ISLAM

#Hindi #Hindus

guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com

contact us: @Guidetoislam.com

धन एक महान परीक्षण है सर्वशक्तिमान ईश्वर की तरफ से

हिन्दु धर्म के विद्‌वानों को अपने पैरुकारों को बताना चहिये कि उनकी धार्मिक किताब बताती है कि अल्लाह की कोई मिसाल नहीं।

क्या वे समझते हैं कि हम, जो सहायता कर रहे हैं उनकी धन तथा संतान से। शीघ्रता कर रहे हैं उनके लिए भलाईयों में? बल्कि वे समझते नहीं हैं[1]।

OsoulGlobalCenter www.osoulcenter.com

GUIDE TO ISLAM

#Hindi #Hindus

guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com

contact us: @Guidetoislam.com

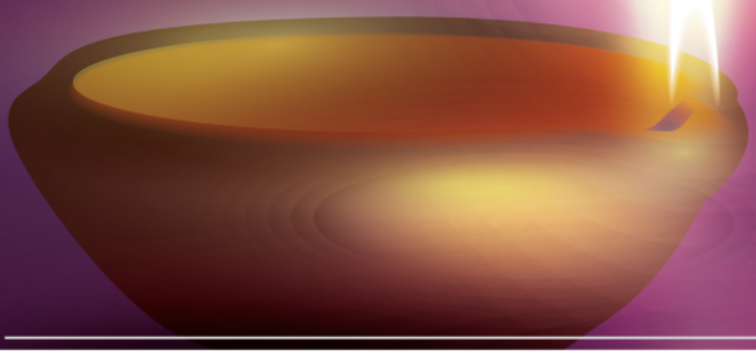

इस तथ्य को अब और नहीं छुपाना चाहिए:
कि पैगंबर मुहम्मद का हिंदुओं के शास्त्रों में कई बार उल्लेख किया गया है।

अल्लाह पर पूर्ण विश्वास कभी भी मूर्ति पूजा से हासिल नहीं हो सकती।

और हमने नहीं भेजा है आप को, सब मनुष्यों के लिए शुभ सूचना देने तथा सचेत करने वाला बनाकर। किन्तु, अधिक्तर लोग ज्ञान नहीं रखते।

OsoulGlobalCenter
www.osoulcenter.com
GUIDE TO ISLAM
#Hindi #Hindus
guidetoIslam.org Guidetoislam1 Guidetoislam www.Guidetoislam.com
contact us:
@Guidetoislam.com